दीप ज्योति

हिंदी व्याकरण

6

अशोक लव

एम.ए., बी. एड,

(लेखक एवं शिक्षाविद्)

पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष

द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क

नई दिल्ली - 110010

Evershine ESP Publishers

Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi - 110046

Phones : 28111758, 28113958, Fax : 28112353

प्रकाशक :

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

नांगल राया, नई दिल्ली - 110046

फोन : 28111758, 28113958

फैक्स : 28112353

नवीन संस्करण

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा ही भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान होता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्ध प्रयोग को व्याकरण द्वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रुचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की चयन–क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे–लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्वारा 'करके सीखने' की पद्धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्यार्थियों की सीखने की रुचि बढ़ती है।

अध्यापक–अध्यापिकाएँ विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण – शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबंद्ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार **'दीप ज्योति व्याकरण'** शृंखला समस्त विद्यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

अशोक लव

विषय-सूची

1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	05
2.	वर्ण-विचार	10
3.	शब्द-विचार	17
4.	वर्तनी की अशुद्धियाँ	23
5.	शब्द-रचना – उपसर्ग-प्रत्यय	27
6.	संधि	33
7.	संज्ञा	38
8.	लिंग तथा वचन	43
9.	कारक	51
10.	सर्वनाम	56
11.	विशेषण	62
12.	क्रिया	69
13.	अव्यय (अविकारी शब्द)	76
14.	विराम-चिह्न	84
15.	वाक्य	88
16.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	91
17.	शब्द-भंडार	99
18.	रचनात्मक गतिविधियाँ अपठित गद्यांश	107
19.	अनुच्छेद-लेखन	113
20.	निबंध-लेखन	117
21.	कहानी-लेखन	127
22.	संवाद-लेखन	131
23.	पत्र-लेखन	134
24.	अभ्यास प्रश्न-पत्र-1	141
25.	अभ्यास प्रश्न-पत्र-2	143